

128



न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल ग्वालियर मध्य प्रदेश।

प्रकरण क्रमांक: क्रि.नि.ग. 1423-11/2018
गुरेना/2019 पुनर्भारण
क्रि.नि.ग. 1423-11/2018

रामप्रसाद पुत्र श्री बहाली रावत निवारी-
ग्राम वाटपुरा केमरा खुर्द तहसील
सबलगाढ जिला गुरेना म.प्र.।

क्रि.नि.ग. 1423-11/2018
दिनांक 22-2-2019 को
प्रस्तुत प्रारम्भिक तर्क हेतु
दिनांक 6-3-19 नियत।

.....आवेदक

[Signature]
जज ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल, म.प्र. ग्वालियर

बनाम

म.प्र. शासन द्वारा कलेक्टर जिला गुरेना

.....अनावेदक

आवेदन-पत्र वास्ते मूल प्रकरण को पुनः नम्बर पर लेने बाबत

माननीय न्यायालय,

आवेदक की ओर से आवेदन-पत्र निम्न प्रकार प्रस्तुत है:-

यहकि, अधीनरथ न्यायालय द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध माननीय न्यायालय के समक्ष एक निगरानी प्रस्तुत की गई थी, जिसका प्रकरण क्रमांक- निगरानी/1423-11/2018 था, जो लम्बित होकर दिनांक: 21.02.2019 को बहस हेतु नियत थी।



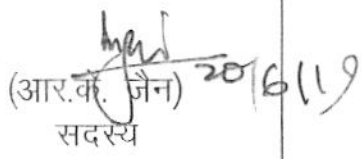
2. यहकि, अभिभाषक दोपहर 11.00 बजे से 12.00 बजे के मध्य न्यायालय में उपस्थित रहे, अभिभाषक को ज्ञात हुआ कि पीठाधीन अधिकारी महोदय समय करीब 1.00 बजे पर बैठेगे। उसके बाद अभिभाषक उच्च न्यायालय ग्वालियर के समक्ष अन्य प्रकरण में पैरवी करने के शिलशिले चले गये। और जब उच्च न्यायालय से अभिभाषक वापस आ रहे थे, तो रास्ते में उनकी वाहन खराब हो गयी, जो महलगांव गेट पर ठीक कराने के बाद न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए तब ज्ञात हुआ कि उक्त प्रकरण को अर्द्ध पैरवी में

.....2

[Signature]
यस
01/03
22/2/19
4:30 PM

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक पुर्नस्थापन 292/2019/मुसैना/भू0रा0
रामप्रसाद विरुद्ध म0प्र0 शासन द्वारा कलेक्टर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि हस्ताक्षर
2D -6-2019	<p>आवेदक अभिभाषक श्री विनोद श्रीवास्तव को प्रकरण के पुर्नस्थापन के बिन्दु पर दिनांक 17-06-2019 को सुना गया।</p> <p>2/ आवेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। मूल निगरानी प्रकरण में दिनांक 20-5-2019 का प्रकरण अंतिम तर्क हेतु नियत था, जहां आवेदक द्वारा स्वयं तर्क हेतु समय की मांग की गई थी। आवेदक अभिभाषक का अनुरोध पर न्यायालय द्वारा अंतिम तर्क हेतु दिनांक 21-5-2019 नियत की गई। आवेदक अभिभाषक उक्त दिनांक को अनुपस्थित रहे। आवेदक अभिभाषक की अनुपस्थिति के कारण ही प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया गया। अनुपस्थिति के संबंध में ठोस आधार दर्शाया जाने पर ही प्रकरण को पुर्नस्थापित किया जा सकता है। इस पुर्नस्थापन आवेदन में ऐसा कोई ठोस आधार नहीं दर्शाया गया है जिससे आवेदक अभिभाषक की अनुपस्थिति सदभाविक प्रतीत होती हो। दर्शित परिस्थितियों में यह पुर्नस्थापन आवेदन अमान्य किया जाता है। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	<p align="right">  (आर.के. जैन) 20/6/19 सदस्य </p>

Handwritten signature and date 20/6

Handwritten mark resembling the number 3